

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान

NAME OF NEWSPAPERS----- नई दिल्ली, गंगलवार, 5 नवंबर 2024 --DATED-----

**अच्छी खबर** | डीडीए प्रशासन संघ के गठन के लिए सभी जोन के सेक्टरों में किसानों के साथ बैठक करेगा, संवाद कार्यक्रम से कृषकों और निवेशकों के बीच समन्वय बनाएगा

## राजधानी में 20 लाख आवासों का निर्माण करने की तैयारी तेज

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने लैंडपूलिंग नीति के तहत 20 लाख आवासों का निर्माण करने की तैयारी तेज कर दी है। हालांकि, नीति के तहत बनाए गए जोन के सेक्टरों में अब तक संघ (कंसोर्टियम) का गठन नहीं हो सका है।

सिर्फ नरेला विधानसभा क्षेत्र में बनाए गए पी2 जोन के सेक्टर में संघ का गठन हुआ है। अब डीडीए प्रशासन ने लैंडपूलिंग नीति के मद्देनजर फ्लैटों के निर्माण में तेजी लाने की कवायद शुरू कर दी है। इसे लेकर डीडीए प्रशासन लैंडपूलिंग नीति के लिए बनाए गए जोन के सेक्टरों में

किसानों के साथ बैठकें करेगा। यह संवाद कार्यक्रम होगा। इन कार्यक्रमों को लगातार आयोजित करते हुए संघ के गठन के लिए किसानों से कहा जाएगा। साथ ही बिल्डर व इंवेस्टर्स के साथ भी बैठक की जाएगी। इस नीति के तहत डीडीए ने दिल्ली के कुछ क्षेत्रों को पी-1, पी-2, एन, के-1, एल और जे जोन में विभाजित किया है। जिसमें कुल 138 सेक्टर बनाए गए हैं। इन सभी सेक्टरों में संघ का गठन होने पर वहां पर फ्लैटों के निर्माण कार्य शुरू होगा। हालांकि, अधिकतम सेक्टरों में संघ के गठन न होने के कारण नीति के अगले चरणों के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न हो रही है।



**योजना को आगे बढ़ाने के लिए समाधान निकाला जाएगा : डीडीए**

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष जुलाई माह में कुछ गांवों के प्रतिनिधियों व किसानों के साथ बैठकें की थी। इसी तरह से अब संवाद कार्यक्रमों को हर सेक्टर में आयोजित करेंगे। इससे नीति को आगे बढ़ाने में सहयोग और समाधान मिलेगा।

साथ ही सभी सेक्टरों के किसानों व बिल्डरों को साथ मिलकर संघ के गठन के लिए भी नोटिस भेजे जाएंगे। इसमें डीडीए पूरी तरह से निगरानी करेगा। पूरी प्रक्रिया की योजना बनाई ली गई है। नीति के हर चरण को आगे बढ़ाने से पहले डीडीए की स्वीकृति होनी अनिवार्य है।

**प्राधिकरण की ओर से ये प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे गए**

- सेक्टर के 70 फीसदी तक के क्षेत्र में संघ का गठन अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसके बाद उस क्षेत्र में विभिन्न बुनियादी ढांचे जैसे सड़कों, सार्वजनिक संस्थानों को तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए।
- सेक्टरों के बाहरी हिस्से के निर्माण कार्य में डीडीए अधिकतम कार्य संभाले। इस प्रस्ताव में

डीडीए सेक्टरों के बाहरी हिस्सों में सड़क निर्माण, अन्य सरकारी कार्यालयों व बुनियादी ढांचे को निर्माण खुद करे। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे विभिन्न प्रस्तावों को काफी समय से भेजा गया है। इन पर कार्रवाई करने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय को दोबारा पत्र भी लिखेंगे।

## दिल्ली देहात में सर्किल रेट बढ़ाने की मांग उठाई

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता। दिल्ली पंचायत संघ ने देहात क्षेत्र में जमीनों के सर्किल रेट बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ किए जाने और लैंड पूल पॉलिसी की शर्तों में बदलाव की मांग की। सोमवार को गांव दरियापुर खुर्द में आयोजित किसानों की पंचायत में ग्रामीण क्षेत्र की कॉलोनियों को हाउस टैक्स के दायरे से बाहर किए जाने और डीडीए की ओर से स्मार्ट गांव बसाए जाने की भी मांग उठाई गई। किसानों ने चेतावनी दी है कि जल्द ही इन मांगों को पूरा न किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

किसान नेता जगदीश यादव की अध्यक्षता में आयोजित पंचायत में दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्र के किसान संगठन शामिल हुए। दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख धान सिंह यादव ने कहा कि पंचायत में सबसे प्रमुख मांग जमीन का सर्किल रेट बढ़ाए जाने

**फ्लैटों की जानकारी के लिए कॉल कर सकते हैं**

डीडीए की पहले आओ पहले पाओ आवासीय योजना में कई फ्लैटों के पंजीकरण और बुकिंग प्रक्रिया जारी है। फ्लैटों के बारे में जानकारी के लिए कॉल सेंटर नंबर 1800110332 पर कॉल कर सकते हैं। इस संबंध में डीडीए के नोडल अधिकारियों को भी तैनात किया गया है।

**दरियापुर खुर्द में हुई किसानों की पंचायत में कई प्रस्ताव रखे**

की उठाई गई। लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्र के सर्किल रेट नहीं बढ़ाए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली देहात के 105 गांवों की जमीन पर डीडीए या सरकार नए सेक्टर स्थापित करना चाहती है, तो ग्रामीणों के लिए नए स्मार्ट विलेज भी बसाए जाएं।

उन्होंने कहा कि लैंड पूल पॉलिसी में सुधार करके किसानों पर थोपी गई अनावश्यक शर्तों को हटाया जाए। इसमें न्यूनतम पांच एकड़ भूमि की शर्त, लगभग 20 करोड़ रुपये का भारी भरकम बाहरी विकास शुल्क, डीडीए द्वारा 40 फीसदी भूमि मुफ्त में लेना और बिल्डरों के साथ कंसोर्टियम बनाने की बाध्यता को समाप्त किए जाने की शर्तें शामिल हैं।

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- नई दिल्ली, 5 नवंबर, 2024 दैनिक जागरण ATED-----

## चंदे से सफाई का काम कराने को मजबूर वसंत कुंज पाकेट ई के लोग

राजि पायली • जागरण

दक्षिणी दिल्ली : दक्षिणी दिल्ली के पाश इलाकों में शामिल वसंत कुंज पाकेट ई एक के निवासी पिछले डेढ़ साल से चंदा इकट्ठा कर कूड़ा उठवाने से लेकर सीवेज सफाई तक का काम करा रहे हैं। कई बार डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) और एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) से मूलभूत सुविधाओं को लेकर गुहार लगाई गई। इसके बावजूद संबंधित विभाग उनकी कोई भी फरियाद सुनने को तैयार नहीं है।

डीडीए की तरफ से वर्ष 2019 में वसंत कुंज में पाकेट ई एक सोसायटी में फ्लैटों का आवंटन किया गया था। यहां पर वर्तमान में करीब 1200 परिवार रहते हैं। सोसायटी के रखरखाव का काम डीडीए की तरफ से किया जा रहा था। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि डीडीए ने अप्रैल 2023 से रखरखाव का काम बंद कर दिया। इसके बाद सोसायटी के लोगों ने साफ-सफाई, कूड़ा उठाने, सीवेज की सफाई व मरम्मत सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए डीडीए और एमसीडी को पत्र लिखे, लेकिन किसी ने भी काम कराने की जहमत नहीं उठाई।

संपत्ति कर लेने के बावजूद नहीं मिल रही सुविधाएं : स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उनसे संपत्ति कर वसूलने



-मानस नंदी, निवासी

संपत्ति कर लेने के बावजूद सोसाइटी के करीब पांच हजार परिवार मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। स्ट्रीट लाइट खराब होने की वजह से रात को पार्क में भी अंधेरा छाया रहता है। सोसाइटी की करीब 70 फीसदी लाइट खराब हो चुकी है।



सोसाइटी में आज तक सामुदायिक भवन भी नहीं बनाया गया है। इसके लिए आवंटित जमीन खाली पड़ी है। डीडीए कहता है कि सोसाइटी एमसीडी को हैंडओवर कर दी गई है। एमसीडी के अधिकारी कहते हैं कि उन्हें हैंडओवर नहीं किया गया है।

-अनीशा मिश्रा, निवासी



वसंत कुंज में पाकेट ई एक सोसायटी में फैला कूड़ा • जागरण

हम सोसाइटी की साफ-सफाई, लाइट सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर



महासचिव, आरडब्ल्यूए

डीडीए व एमसीडी के अधिकारियों को कई बार पत्र लिख चुके हैं। दोनों विभाग सोसाइटी के रखरखाव को लेकर एक दूसरे पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं।

-माधवेंद्र शुक्ला,

पिछले डेढ़ साल से सोसाइटी के निवासियों की बात कोई भी सुनने को तैयार नहीं है। हमें



-रमेशचंद्र, कोषाध्य

चंदा इकट्ठा कर कूड़ा उठवाने, सीवेज की मरम्मत सहित अन्य काम कराने पड़ रहे हैं। जबकि संपत्ति कर सभी से लिया जा रहा है।

यह सोसाइटी डीडीए की तरफ से एमसीडी को हैंडओवर नहीं की गई है। अभी भी डीडीए की तरफ से ही पानी की टंकी भरने सहित अन्य काम किए जाते हैं। इसके रखरखाव की जिम्मेदारी भी इसी विभाग की है। कुछ चीजों को लेकर स्थानीय लोग संतुष्ट नहीं हैं।

-इंदरजीत सहस्रावत, पाणंद, महिपालपुर वाई

एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे डीडीए और एमसीडी के अधिकारी

सोसायटी के रखरखाव को लेकर डीडीए और एमसीडी के अधिकारी अलग अलग दावे करते हैं। वह दूसरे पर जिम्मेदारी टाल रहे हैं। जब निवासी डीडीए के अधिकारियों से साफ-सफाई कराने व कूड़ा उठाने की गुहार लगाते हैं तो उन्हें जवाब मिलता है कि सोसाइटी को एमसीडी को हैंडओवर कर दी गई है। जबकि एमसीडी के अधिकारियों का दावा है कि उन्हें हैंडओवर नहीं किया गया है।

के बावजूद सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा रही हैं। उनका कहना है कि आवंटन के बाद से ही वह संपत्ति कर दे रहे हैं। संपत्ति कर दिल्ली नगर निगम द्वारा अचल संपत्ति मालिकों पर लगाया जाता है। इसका उपयोग नगर निगम, स्थानीय

नागरिक सुविधाएं जैसे सड़कों/ गलियों की साफ सफाई, कूड़ा निस्तारण, सीवेज सिस्टम, प्रकाश व्यवस्था, पार्क और अन्य बुनियादी ढांचे आदि प्रदान करने के लिए किया जाता है। इनमें से कोई भी सुविधा निवासियों को नहीं मिल रही है।

किसी ने नहीं सुनी तो मजबूरी में इकट्ठा किया चंदा : संबंधित विभागों को बार-बार पत्र लिखने के बाद भी किसी ने नहीं सुनी तो स्थानीय निवासियों ने आपस में चंदा इकट्ठा करना शुरू किया। पाकेट ई एक आरडब्ल्यूए द्वारा प्रत्येक परिवार से

हर महीने करीब डेढ़ हजार रुपये लिये जा रहे हैं। इस चंदा से ही सफाई, सड़कों, सीवेज, लाइट की मरम्मत और कूड़ा उठवाने का काम कराया जा रहा है। अब स्थानीय आरडब्ल्यूए ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना का पत्र लिखा है।

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-----

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI  
TUESDAY, NOVEMBER 5, 2024

-----DATED-----

## Work on 1,000 Chhath ghats intensifies amid blame game

TIMES NEWS NETWORK

**New Delhi:** With Chhath festivities starting soon, Delhi govt has intensified the preparation of over 1,000 temporary ghats across the city for devotees to offer prayers to the deities. Meanwhile, AAP and BJP continued to spar over the setting up of a facility in south Delhi's Chirag Dilli on Monday.

Chief minister Atishi reviewed the preparations for Chhath Puja at Hathi Ghat near ITO and issued directions to officials to ensure all facilities are available to the devotees. "Today, Chhath ghats are being made at more than 1,000 locations in the city. All our ministers and MLAs are inspecting the Chhath ghats...I urge BJP not to do politics over Chhath Puja," Atishi told reporters.

While the festival will be celebrated from Nov 5 to 8, Delhi govt has declared Nov 7 as a public holiday. Chhath is a major Hindu festival celebrated in the states of Bihar and eastern Uttar Pradesh. A large number of people from the two states, who are referred to as Purvanchali, live in different parts of the city and celebrate Chhath with great enthusiasm.

Atishi issued directions to officials to complete the setting up of temporary ghats swiftly and ensure the devotees do not face any inconveni-

### MCD allocates ₹20k per ward for lighting

**New Delhi:** MCD has allocated a budget of Rs 20,000 per ward for lighting work at Chhath ghats in Delhi. "The funds were sanctioned around a week ago, and the electric department has begun work on the ground. The amount can also be utilised for lighting the approach roads leading to the ghat in addition to the main area. If required, we will sanction more funds for the purpose, provided the demand is genuine," said an MCD official. MCD has also asked the sanitation staff engaged in each zone to sweep the sites in multiple shifts and maintain cleanliness at all Chhath ghats. "MCD staff will put all efforts into keeping the sites clean. The collected waste will be lifted at regular intervals." TNN

ence. She said many ghats would be hosting cultural programmes organised by Maitihili-Bhojpuri Academy, enabling devotees to celebrate the festival with "joy, peace, and devotion".

Meanwhile, minister and Greater Kailash MLA Saurabh Bharadwaj continued his attack on BJP for allegedly preventing people from offering prayers at Satpula Park in Chirag Dilli. "Chirag Delhi

Chhath Ghat has become a cantonment. After the police, now the CRPF battalion is also present. If the public is with BJP, then why is there so much fear?" he posted on X.

Bharadwaj accused BJP of "orchestrating a campaign" to prevent the festival at Satpula Park. "This is where our Purvanchalis from Bihar and UP traditionally celebrate Chhath Puja with all rituals, but this year, they were stopped by BJP-controlled DDA," he alleged.

Delhi BJP president Virendra Sachdeva alleged that AAP MLAs were trying to politically take over the Chhath Puja ghats while the Yamuna remained polluted. "From Wazirabad to Kalindi Kunj, the Yamuna is as polluted as it was 10 days ago. The public has lost trust in AAP govt," he said.

The Delhi BJP chief alleged that of 1,060 temporary Chhath ghats, work on more than 800 was still incomplete. "When the chief minister was inspecting today, most ghats did not have an electricity connection," Sachdeva said.

Delhi Congress president Devender Yadav claimed that devotees were worried about the toxic air and the poisonous, ammonia-polluted waters of the Yamuna. "AAP govt has made no arrangement to ensure that the Purvanchalis hold the puja in fresh and clean waters," he alleged.

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS- **Hindustan Times**

NEW DELHI  
TUESDAY  
NOVEMBER 05, 2024

## AAP, BJP trade barbs as Chhath politics heats up

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

**NEW DELHI:** Delhi chief minister Atishi, reviewing government preparations at ITO on Monday for Chhath Puja, said that more than 1,000 ghats are being set up by government agencies for the festival and urged Opposition Bharatiya Janata Party (BJP) not to politicise the festival. The chief minister said the number of locations for celebrating the Chhath has risen from 60 ghats in 2014 to more than 1,000 locations over the past 10 years.

"Chhath is the most important festival for the Poorvanchali community, and it is widely celebrated across Delhi. Over the last decade, the Aam Aadmi Party (AAP) has shown great respect for the festival," said Atishi, adding that various departments, including Irrigation and Flood Control (I&FC) and Delhi Jal Board (DJB), were collaborating to prepare the ghats with water, tents, lighting, cleanliness, and security.

Atishi described the ITO Chhath ghat as one of Delhi's most crucial sites where "lakhs of devotees" gather to offer their prayers. "Many sites will also feature cultural programmes organised by the Maithili-Bhojpuri Academy to help devotees celebrate peacefully and joyfully," she said. "From pond creation to tents, lights, cleanliness, and security, all arrangements are being managed by the Delhi government," the CM said.

BJP, meanwhile, blamed Atishi, alleging that the Delhi government has left the ghats along the Yamuna unprepared.

The Poorvanchali community, comprising around 400,000 residents among Delhi's 14.7 million registered voters, has become a prominent cultural and political group in the Capital. Chhath celebrations, observed six days after Diwali, have expanded in scale, with the



Preparations underway for Chhath Puja on the bank of Yamuna river at ITO.

ARVIND YADAV/HT PHOTO

number of public observances and festival sites growing proportionally.

### AAP, BJP at odds over Chirag Delhi site

The chief minister also addressed a contentious dispute over a Chhath ghat in Chirag Delhi, with AAP and BJP reportedly at odds over the right to organise festivities at the park's Satpula site. "I want to appeal to the BJP not to politicise the festival. They should allow the pooja to happen," said Atishi, alleging that the BJP's actions signalled opposition to the Poorvanchali community.

Delhi BJP President Virendra Sachdeva has said that the way AAP MLAs, particularly Saurabh Bhardwaj, tried to politically take over the Chhath Puja ghats, while the Yamuna remains as polluted as it was ten days ago from Wazirabad to Kalindi Kunj,

has led the public to lose trust in the government.

"Just a day before the start of Chhath Puja, even if Chief Minister Atishi Marlena makes statements, it's evident to both the Purvanchal community and other residents of Delhi how the negligence of AAP government has left the ghats along the Yamuna unprepared. Out of the 1,060 temporary Chhath ghats, work on more than 800 is still incomplete, with even basic arrangements like water and digging of pits unfinished," Sachdeva said.

In a separate press conference, urban development minister and local MLA Saurabh Bhardwaj said that as the festival has been celebrated at Satpula Park for eight years, it is an official site listed among 1,000 Chhath ghats. "Anyone from the area can confirm that this committee was holding the festival here. If

Bansuri Swaraj can swear by the Gita and claim these aren't the original organisers, we will leave this issue," he said.

In response, BJP MP Bansuri Swaraj, who visited the site, refuted Bhardwaj's claims, alleging the MLA was obstructing preparations at the park. Swaraj said that the Jan Sewa Samiti had secured permission from the DDA on September 23 to organise the festival at the site.

"Minister Saurabh Bhardwaj should have filed for permission with the Delhi Development Authority (DDA). Why is he creating obstacles now? Digging work for ghat was being carried out, and he (Bhardwaj) stopped the work by removing the keys of the excavator machine," Swaraj said.

Following the developments, police presence was increased in the area, barricading since Sunday afternoon to maintain order.

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost

NAME OF NEWSPAPERS-- TUESDAY, 5 NOVEMBER, 2024 | NEW DELHI

ALSO ACCUSED DDA OF HALTING CHHATH PREP

## Atishi slams BJP for 'obstructing' Chhath preparations in Capital

### OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Delhi Chief Minister Atishi on Monday slammed the BJP for "obstructing preparations" for Chhath celebrations in the national capital and labelled the saffron party "anti-Purvanchal".

She also accused the Delhi Development Authority (DDA), which functions under the Centre, of halting Chhath preparations in a south Delhi locality.

"The halting of Chhath puja by the BJP's DDA in Chirag Delhi illustrates its anti-Purvanchal mentality," she said after inspecting the Chhath ghat at ITO in central Delhi.

Emphasising the importance of the festival for the national capital's Purvanchali community, Atishi said the AAP government in Delhi had been celebrating the festival in



Delhi Chief Minister Atishi reviews Chhath Puja preparations at the bank of Yamuna river near ITO, in New Delhi, on Monday



PTI

a grand manner for the past 10 years. "Chhath is of utmost importance to the brothers and sisters of Purvanchal and we have been celebrating it with great pomp and show all over Delhi for the last 10 years."

"Ten years ago, Chhath was celebrated by the government at only 60 locations in Delhi.

### Highlights

- » The halting of Chhath puja by the BJP's DDA in Chirag Delhi illustrates its anti-Purvanchal mentality: CM
- » "Today, the Delhi government has prepared more than 1,000 magnificent Chhath ghats," said Atishi

Today, the Delhi government has prepared more than 1,000 magnificent Chhath ghats where everyone can properly

worship Chhathi Maiya," she added.

Chhath puja is dedicated to the worship of the sun god and is observed with a rigorous four-day routine.

The Delhi government has declared a public holiday on November 7 for Chhath celebrations.

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost

NEW DELHI | TUESDAY, 5 NOVEMBER, 2024

THE HINDU

NAME OF NEWSPAPERS-----

DATE Tuesday, November 5, 2024  
DELHI

## 2 held over attempted robbery at elderly's house: Cops

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Delhi Police has arrested two men who allegedly barged into the Vikaspuri area house of a retired DDA employee and asked him to give up his car keys and mobile phones at gunpoint, according to an FIR.

Malkhan Singh Tyagi, 63, told police that he was sleeping in his room when two people barged into his house and brandished a gun. "When I shouted, my wife who was working in the kitchen rushed inside the room, but the person threatened her to stay silent," he said in the FIR.

Tyagi reported that two men attempted to steal jewellery from an almirah when his son, Paras, arrived home. Seeing Paras, the men tried to escape but were restrained by neighbours and his son.

## Govt., BJP spar over Chhath planning as festivities begin today



Chief Minister Atishi taking stock of the Chhath Puja preparations near ITO in New Delhi Monday. PTI

**The Hindu Bureau**  
NEW DELHI

A day before the beginning of the four-day Chhath celebrations, Chief Minister Atishi on Monday accused the BJP of "obstructing preparations" for the festival. The main Opposition party in Delhi rejected the charge and claimed that essentials like power supply were missing from most ghats constructed for the devotees.

The war of words came amid the accumulation of toxic froth in the Yamuna. The festival is predominantly celebrated by the Purvanchalis, the Bhojpuuri-speaking people from eastern Uttar Pradesh, Bihar, and parts of Jharkhand.

The numerically strong Purvanchali community could play a crucial role in deciding the fate of the Assembly election due in February next year.

Inspecting the Yamuna ghat at ITO, the CM alleged that the Delhi Development Authority (DDA),

controlled by the BJP-led Centre, halted the Chhath preparations in a south Delhi locality. "The halting of Chhath Puja by the BJP's DDA in Chirag Dilli shows its anti-Purvanchal mentality," she said.

Ms. Atishi said her government has constructed over 1,000 ghats in the city for the festival.

Meanwhile, Delhi Urban Development Minister Saurabh Bharadwaj accused the BJP of "orchestrating a campaign" to prevent the celebrations at Satpula Park in the New Delhi Lok Sabha constituency.

In response, Delhi BJP chief Virendra Sachdeva alleged that AAP MLAs, particularly Mr. Bhardwaj, tried to "politically take over the Chhath Puja ghats" while the Yamuna remains as polluted as it was a fortnight ago even though the government had promised to get it cleaned before the festival.

Mr. Sachdeva said work on 800 ghats is still not over. "Most ghats still lack power supply," he added.

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY

## PRESS CLIPPING SERVICE



NAME OF NEWSPAPERS-

NEW DELHI | TUESDAY | NOVEMBER 5, 2024

### CM Atishi inspects ITO Chhath Ghat, slams BJP for obstructing preparations

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Chief Minister Atishi on Monday inspected the Chhath ghat at ITO in central Delhi while slamming the BJP for 'obstructing preparations' for the celebrations of the festival in the national Capital and labelled the party 'anti-Purvanchal'. Meanwhile, the Delhi BJP hit back at the ruling party and said that it is laughable that Atishi is asking officials to not leave work at the last minute a day before the celebrations.

After inspecting the ghats, the senior AAP leader also accused the Delhi Development Authority (DDA), which functions under the Centre, of halting Chhath preparations in a south Delhi locality. "The halting of Chhath puja by the BJP's DDA in Chirag Delhi illustrates its anti-Purvanchal mentality," she said.

Emphasising the importance of the festival for the national capital's Purvanchali community, Atishi said the AAP government in Delhi had been celebrating the festival in a grand manner for the past 10 years. "Chhath is of utmost importance to the brothers and sisters of Purvanchal and we have been celebrating it with great pomp and show all over Delhi for the last 10 years."

"Ten years ago, Chhath was celebrated by the government at only 60 locations in Delhi. Today, the Delhi government has prepared more than 1,000 magnificent Chhath ghats where everyone can properly worship Chhathi Maiya," she added. The Delhi government has declared a public holiday on November 7 for Chhath celebrations. During the inspection, Atishi directed officials, "All Chhath Ghats should be prepared swiftly so that no work is

left for the last minute, ensuring that devotees do not face any inconvenience."

Hitting back at the AAP over the preparations for the devotees, Delhi BJP President Virendra Sachdeva stated that while Chhath Puja is set to begin on Tuesday, November 5, Atishi's instructions to the officials are 'laughable'.

He pointed out the irony of the Chief Minister's statement on November 4, telling officials not to leave work until the last minute, when the four-day Chhath Puja will actually begin on November 5 afternoon. "This indicates that the Chief Minister may not even be aware of the start date of Chhath Puja," he said.

"Today, just a day before the start of Chhath Puja, even if Chief Minister Atishi makes statements, it's evident to both the Purvanchal community and

other residents of Delhi how the negligence of the AAP government has left the ghats along the Yamuna unprepared," Sachdeva alleged.

He claimed that out of the 1,060 temporary Chhath ghats, work on more than 800 is still incomplete, with even basic arrangements like water and pit-digging unfinished as of this evening. "When the Chief Minister was inspecting today, most ghats still lacked electricity connections," he said.

The Delhi BJP chief said that the way AAP MLAs, particularly Minister Saurabh Bhardwaj, tried to politically take over the Chhath Puja ghats, while the Yamuna remains as polluted as it was ten days ago from Wazirabad to Kalindi Kunj, has led the public to lose trust in Arvind Kejriwal Party's Delhi government. It has also hurt their sentiments.

# DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

राष्ट्रीय  
सहारा

NAME OF NEWSPAPERS--- नई दिल्ली। मंगलवार • 5 नवम्बर • 2024 TED-----

## चिराग दिल्ली में छठ पूजा पर भाजपा व आप में तकरार जारी

नई दिल्ली (आईएनएस)। चिराग दिल्ली इलाके में छठ पूजा को लेकर बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच तकरार जारी है। आम आदमी पार्टी ने बीजेपी को पूर्वांचल के भाई-बहनों का विरोधी बताते हुए इसके पीछे बांसुरी स्वराज का षड्यंत्र बताया है। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने दिल्ली के छठ घाटों को लेकर भाजपा पर पुलिस भेजकर पूर्वांचली भाई-बहनों को छठ मनाने से रोकने का भी आरोप लगाया है।

दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने चिराग दिल्ली में छठ पूजा आयोजक और कुछ महिलाओं के साथ मिलकर रोष जताया। उन्होंने कहा कि चिराग दिल्ली के सतपुला ग्राउंड पर पूर्वांचली भाई-बहन छठ पूजा विधि विधान से मनाते थे। 8 साल से यहां छठ पूजा हो रही है। इस बार भी दिल्ली सरकार ने परमिशन दी थी और दिल्ली के 1,000 छठ घाटों में इसका भी नाम है। इस बार इन्हें यहां पूजा नहीं करने दी जा रही। लोग पहले से कह रहे हैं कि बीजेपी डीडीए के जरिए इन्हें पूजा करने से रोक रही है, इसके पीछे बांसुरी स्वराज है।

सौरभ भारद्वाज के साथ मौजूद चिराग दिल्ली के छठ पूजा के आयोजक विश्वजीत ने कहा कि पहले हम छठ पर्व मनाने अपने गांव जाते थे, लेकिन ट्रेन की हालत सबको पता है, टिकट मिलती नहीं और भीड़ भी बहुत होती है, इसलिए हम पिछले 8 साल से चिराग दिल्ली में छठ पूजा करते आ रहे हैं, क्योंकि दिल्ली सरकार भी हमारी मदद करती है। इस बार डीडीए वालों ने हमें पूजा करने से रोक दिया। रविवार को जब हम वहां गए तो कुछ लोग पुलिस के साथ आए और हमें वहां से भगा दिया। हम गांव भी नहीं जा पाए और यहां भी पूजा नहीं करने दी जा रही है, अब हम कहां जाएं? कुछ महिलाओं ने भी बताया कि हम 8 साल से यहीं छठ पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं। ट्रेन में भीड़ ज्यादा होती है, टिकट मिलती नहीं तो यहीं परिवार के साथ पर्व मनाते हैं।